सतत् विकास के साझा मूल्यों पर आधारित भारत-जापान संबंध : योगी

मुख्यमंत्री से यामानाशी प्रांत के प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं तलाशीं

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भारत और जापान के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, नवाचार और सतत् विकास जैसे साझा मूल्यों पर आधारित हैं। उत्तर प्रदेश इस साझेदारी को जमीनी स्तर पर साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन, हरित ऊर्जा, औद्योगिक विकास, नवाचार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश और यामानाशी प्रांत दीर्घकालिक साझेदारी को नई दिशा देंगे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को जापान आने का आमंत्रण भी दिया।

बुधवार को प्रतिनिधिमंडल से अपने सरकारी आवास पर हुई शिष्टाचार भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश और यामानाशी प्रांत के बीच आने वाले समय में आपसी सहयोग और सशक्त होगा। यामानाशी प्रांत के उपराज्यपाल जुनिची इशिडोरा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बुधवार को उनके सरकारी आवास पर जापान के यामानाशी प्रांत के उप-राज्यपाल जुनिची इशिडोरा ने उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात की ● सूचना विभाग

के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने वर्ष 2024 में उप्र सरकार और यामानाशी प्रांत के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के क्रियान्वयन पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2024 के माध्यम से निवेशकों के लिए अच्छा वातावरण तैयार किया गया है। इस नीति के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) को सौंपी गई है। मुख्यमंत्री ने भारत और जापान के सांस्कृतिक संबंधों पर भी चर्चा की। उन्होंने बौद्ध पर्यटन सर्किट के माध्यम से दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों को और मजबूत करने की बात कही। यामानाशी प्रांत ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में ग्रीन हाइड्रोजन पायलट परियोजना और तकनीकी शिक्षण संस्थानों में उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना में सहयोग को लेकर वर्ष 2024 में समझौता किया था। इसी सिलसिले में भूमि के चयन को लेकर शुक्रवार को प्रतिनिधिमंडल यीडा क्षेत्र का दौरा करेगा। हालांकि, पूर्व में किए गए समझौते के बाद अभी तक संबंधित क्षेत्रों में काम शुरू नहीं किया जा सका है। यामानाशी प्रांत के उप-राज्यपाल ने बताया कि यामानाशी उप्र को उन्नत तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराएगा, कानाडेविया ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और तकनीकी सहयोग में सरकार की मदद करेगा। इस दौरान आइआइटी बीएचयू और आइआइटी कानपुर द्वारा प्रस्तावित दो उत्कृष्टता केंद्रों पर भी चर्चा हुई।

पर्यटन और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश पर हुई चर्चा

यामानाशी के प्रतिनिधिमंडल ने पर्यटन के क्षेत्र में निवेश को लेकर सेंट्रम होटल में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के साथ बैठक की। पर्यटन मंत्री ने यामानाशी के प्रतिनिधियों को बौद्ध पर्यटन स्थलों, वेलनेस व हेरिटेज पर्यटन के क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि अप्रैल या मई में जापान में उत्तर प्रदेश मेले का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद इन्वेस्ट यूपी, ऊर्जा विभाग और उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) के अधिकारियों के साथ बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने ग्रीन हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश को लेकर सरकार की नीति की जानकारी ली। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा, नरेंद्र भूषण तथा यूपीनेडा के निदेशक इंदरजीत सिंह ने राज्य सरकार की हरित ऊर्जा नीति की जानकारी दी।